भूमिका

ससार के वर्तमान साहित्य में कहानी या गल्प का विशेष स्थान है श्रीर उसे यह स्थान पिछले दस-पाँच वर्षों में ही प्राप्त हुश्रा है। साहित्य की प्राय-गै परीचाश्रो में कहानियों का कोई-न-कोई संप्रह य रक्खा जाता है। मध्यमा श्रीर बी० ए० की श्रो में मेरा एक संप्रह पढ़ाया जाता है; पर कूलों के उपयुक्त ऐसा कोई संप्रह न था। उसी